निश्चित तौर पर टीम के सामने बहस का सिर्फ यही मुद्दा है। यह देखना रोचक होगा कि अंत में किसे मौका मिलता है। मुझे यकीन है कि बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं होगा।

- एम.एस.के. प्रसाद

पूर्व भारतीय राष्ट्रीय चयनकर्ता, अंतिम एकादश में ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक के चयन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल कर ली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं। टूर्नामेंट में तीन अर्द्धशतक जड़ चुके सूर्यकुमार को जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 गेंदों पर नाबाद 61 रन की विस्फोटक पारी खेलने के लिये प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

इतिहास दोहरने से सिर्फ एक कदम दूर पाकिस्तान

सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से मात दी

सिडनी, 9 नवंबर। पाकिस्तान ने फॉर्म में लौटे कप्तान बाबर आज़म (53) और मोहम्मद रिज़वान (57) के अर्द्धशतकों की बदौलत बुधवार को टी20 विश्व कप 2022 के पहले सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से मात दी। न्यूज़ीलैंड ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 153 रन का लक्ष्य दिया, जिसे बाबर की टीम ने पांच गेंद रहते हुए हासिल कर लिया।

कप्तान बाबर और रिज़वान ने पूरे टूर्नामेंट के रनों के सूखे को सेमीफाइनल मैच में समाप्त करते हुए टी20 विश्व कप 2022 में पहली बार 50 रन का आंकड़ा छुआ। बाबर ने 42 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 53 रन बनाये, जबकि रिजवान ने 43 गेंदों पर पांच चौकों के साथ 57 रन का योगदान दिया। बाबर-रिजवान ने पहले विकेट के लिये 105 रन की शतकीय साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे प्रतिभावान युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने 26 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाकर 26 रन बनाये, जबकि शान मसूद (03 नाबाद) ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाकर पाकिस्तान को फाइनल में पहुंचाया।

मेलबर्न में रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में पाकिस्तान का सामना भारत या इंग्लैंड में से किसी एक टीम से होगा। पाकिस्तान इससे पहले यूनुस खान की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2009 जीत चुका है। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में भी आमने-सामने थे, जहां महेंद्र सिंह धोनी के धुरंधरों ने मिस्बाह-उल-हक़ की टीम को हराया था। इसके अलावा भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत भी पाकिस्तान को हराकर की थी। उल्लेखनीय है कि फाइनल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा, जहां पाकिस्तान ने इमरान खान की कप्तानी में एकदिवसीय विश्व कप 1992 का फाइनल खेलकर शीर्ष टूर्नामेंट जीता था। न्यूज़ीलैंड ने आज टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन उसने महज 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके बाद डेरिल मिचेल (53 नाबाद) और केन विलियम्सन (46) ने 68 रन की साझेदारी करके कीवी टीम को मुसीबत से उबारा।

विलियम्सन ने अपनी 46 रन की पारी में 42 गेंदें खेलकर एक चौका और एक छक्का लगाया। दूसरी ओर, टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड के नायक रहे मिचेल ने यहां भी 35 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 53 रन बनाये। इसके अलावा डेवन कॉनवे ने 21(20) रन जबकि जेम्स नीशम ने 12 गेंदों पर नाबाज 16 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान ने शुरुआती 10 ओवरों में न्यूज़ीलैंड को सिर्फ 59 रन बनाने दिये, लेकिन मिचेल-विलियम्सन की साझेदारी की मदद से न्यूज़ीलैंड ने अंतिम 10 ओवरों में 93 रन जोड़कर पाकिस्तान को सिडनी की धीमी पिच पर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

पंत, कार्तिक दोनों सेमीफाइनल का हिस्सा होंगे : रोहित शर्मा

एडिलेड, 9 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक से जुड़ी बहस को विराम देते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में दोनों विकेटकीपर निश्चित रूप से खेलेंगे।

उल्लेखनीय है कि टीम में फिनिशर की भूमिका निभाने वाले कार्तिक सुपर-12 के शुरुआती चार मैचों में एकादश का हिस्सा रहे थे, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछले मैच के लिये पंत को टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऋषभ एकमात्र खिलाड़ी है, जिसे इस दौरे पर खेलने का मौका नहीं मिला था, सिवाय उन दो मैचों के जो हमने पर्थ में खेले। वह भी एक अभ्यास मैच था। हम उन्हें विकेट पर समय देना चाहते थे और सेमीफाइनल या फाइनल में बदलावों के लिये एक विकल्प भी रखना चाहते थे।

कार्तिक ने जहां अपनी तीन पारियों में 4.67 की औसत से रन बनाये, वहीं पंत जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ तीन रन का योगदान दे सके थे। उन्होंने कहा, यह हमारी रणनीति भी थी क्योंकि हम यह नहीं जानते थे कि जिम्बाब्वे के मैच के बाद हम किस टीम से सेमीफाइनल में खेलेंगे, इसलिए हम एक बाएं हाथ के बल्लेबाज को न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड के स्पिनरों स्पिनरों का मुकाबला करने का मौका देना चाहते थे। कल क्या होने वाला है यह मैं आपको आज नहीं बता सकता, लेकिन दोनों विकेटकीपर खेल का हिस्सा होंगे।

भारतीय कप्तान ने इस अवसर पर सूर्यकुमार यादव के विस्फोटक अंदाज की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें बड़े मैदानों पर खेलना पसंद है। सिर्फ 20 माह पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार भारत के प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भारत के लिये अपना पहला मैच इंग्लैंड के खिलाफ ही खेला था और सेमीफाइनल में भी भारत को इंग्लैंड का सामना करना है।

रोहित ने कहा, सूर्यकुमार इसी तरह बल्लेबाजी करना पसंद करता है, चाहे हमारा स्कोर 10/2 या 100/2 हो। वह बाहर जाकर खुद को अभिव्यक्त करना पसंद करता है और शायद यही कारण है कि वह पिछले (टी20) विश्व कप में टीम में था। हमारा विश्व कप बहुत अच्छा नहीं गया, लेकिन जैसा कि उसने विश्व कप के बाद प्रदर्शन किया है, उसके लिये कोई बंदिश नहीं है। उन्होंने कहा, उसने काफी परिपक्वता दिखाई है। उसने अपने खेलने के तरीके से बहुत से लोगों से दबाव हटाया है। जो लोग उसके साथ बल्लेबाजी करते हैं उनपर भी इसका असर पड़ता है।

इस हार को पचाना मुश्किल : विलियमसन

सिडनी, 9 नवंबर। न्यूज़ीलैंड के हताश कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में हार को पचाना आसान नहीं है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि बुधवार को यहां उनकी टीम कहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान को चुनौती देने के लिए पर्याप्त अनुशासित नहीं थी।

विलियमसन ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, "बेहद निराशाजनक है कि हम पाकिस्तान को कड़ी चुनौती नहीं दे पाए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हमें पछाड़ दिया। हमारे लिए इस हार को पचाना मुश्किल है। बाबर (आजम) और (मोहम्मद) रिजवान ने हमें दबाव में डाल दिया।"

पाकिस्तान ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के धीमे विकेट पर न्यूज़ीलैंड को चार विकेट पर 152 रन पर रोकने के बाद कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों से 13 साल बाद टी20 विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

विलियमसन ने कहा, "उन्होंने हम पर जल्दी दबाव बना दिया। पाकिस्तान ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हम (डेरिल) मिशेल की अविश्वसनीय पारी के साथ कुछ लय वापस पाने में कामयाब रहे। हम महसूस कर रहे थे कि यह एक प्रतिस्पर्धी स्कोर है। इस विकेट पर खेलना थोड़ा कठिन था।"

सलामी बल्लेबाजों फिन एलेन (04) और डेवोन कॉनवे (21) के विकेट जल्दी गंवाने के बाद न्यूज़ीलैंड की टीम तेजी से रन नहीं बना सकी। विलियमसन (46) और मिशेल (53) ने चौथे विकेट के लिए 68 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। विलियमसन ने ने कहा, "अगर हम ईमानदार हैं तो हम और अधिक अनुशासित होना चाहते थे। पाकिस्तान निश्चित रूप से विजेता बनने का हकदार था। बहुत अच्छा क्रिकेट खेल गया।" पाकिस्तान के कप्तान बाबर ने जीत दर्ज करने के लिए अपने गेंदबाजों की सराहना की।

लेग स्पिनर हसरंगा बने टी-20 के नंबर एक गेंदबाज

दुबई, 9 नवंबर। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज वानिंदु हसरंगा ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में राशिद खान को पछाड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार हसरंगा 704 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं, जबकि राशिद 698 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि राशिद ने दो हफ्ते पहले ही ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड को पछाड कर शीर्ष स्थान काबिज किया था। हेजलवुड फिलहाल 690 अंकों के साथ तीसरे नंबर के टी20 गेंदबाज हैं। दूसरी ओर, भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव 869 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 190 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 225 रन बना चुके हैं।

विराट को अभ्यास के दौरान लगी चोट लेकिन फिट, रोहित ने अपटन के साथ बिताया समय

एडीलेड, 9 नवंबर। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अभ्यास के दौरान मंगलवार को चोटिल होने के बाद बुधवार को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नेट अभ्यास के दौरान हर्षल पटेल की गेंद ग्रोइन के पास लगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले टीम ने हालांकि उस समय राहत की सांस ली जब चोट लगने के कुछ ही मिनटों के बाद कोहली दोबारा मैदान पर अभ्यास करते हुए दिखे।

यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था जिसमें कोहली ने अलग-अलग नेट में 40 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शुरुआत में रघु से करीब 25 मिनट तक थ्रोडाउन लिया और फिर हर्षल तथा दूसरे नेट गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास किया। हर्षल की तेज गति की गेंद कोहली के कमर के अंदरूनी हिस्से में लगी जिससे वह थोड़े असहज दिखे। इसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर उनके पास पहुंचे। कोहली हालांकि इसके कुछ मिनटों के बाद ही 'स्पॉट जंपिंग (एक ही जगह पर कूदने का अभ्यास) करते हुए दिखे। इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन के साथ चर्चा करते देखा गया।

रोहित शायद अपनी बल्लेबाजी में आ रही मानसिक बाधा को दूर करने की कोशिश कर रहे थे। हरफनमौला हार्दिक पंड्या अपनी फिटनेस के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते। वह शायद पहले भारतीय क्रिकेट हैं, जिनके साथ एक निजी शेफ (रसोइया) दौरे पर गया है। पंड्या के शेफ आरिफ आमतौर पर उन शहरों में अपार्टमेंट में रहते है जहां भारतीय टीम होती है। वह पंड्या की जरूरत के मुताबिक पोषक आहार तैयार कर के टीम होटल में पहुंचाते हैं। आरिफ ने कहा, " मुझे यह सुनिश्चित करना होता है कि बड़े टूर्नामेंटों के दौरान खाने को लेकर उनकी सभी जरूरत पूरी हों। लंबे टूर्नामेंट के लिए फाइनल या अंत तक लगातार फिटनेस और ऊर्जा की जरूरत होती है और केवल अच्छा खाना ही यह सुनिश्चित कर सकता है।"

उन्होंने कहा, "हार्दिक मैचों के दौरान अपनी ताकत और शरीर की मांसपेशियों कीमजबूती बरकरार रखने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसकी ऊर्जा में कमी नहीं आये। मैं नाश्ते से लेकर रात के खाने तक उनके पूरे आहार का ध्यान रखता हूं।"

राजधानी

'पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे'

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा का दावा, "राजस्थान में कांग्रेस के 10 से कम विधायक जीतेंगे"

जयपुर, (का.प्र.)। लंबे समय से अपनी अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए सचिन पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा है कि यदि सचिन पायलट को अब भी मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो सरकार रिपीट होने के चांस हैं। वरना एक फॉर्च्यूनर में कांग्रेस के सारे विधायक आ जाएंगे और मिलकर चारों धाम करेंगे। गुढ़ा के बयान को समर्थन देते हुए इस बयान के बहाने कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने एक बार फिर ब्यूरोक्रेसी को निशाने पर लेते हुए कहा है कि ब्यूरोक्रेसी ने ऐसा करने का पढ़ ले रखा है।

- **दिव्या मदेरणा ने लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है"**

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने अपने बयान के जरिए चुनावों में कांग्रेस से 10 से भी कम विधायक जीतकर आने का दावा किया है। गुढ़ा ने कहा है कि सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो चुनावों में कांग्रेस के एक कार में बैठने जितने ही विधायक जीतेंगे। गुढ़ा के बयान का कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने भी समर्थन किया। 25 सितंबर के बाद से ही राजेंद्र गुढ़ा और दिव्या मदेरणा कांग्रेस सरकार के खिलाफ तथा ब्यूरोक्रेसी को लेकर काफी मुखर है।

अपने ताजा बयान में राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट को बहुत पहले सीएम बना देना चाहिए था। पायलट को सीएम बनाने बहुत लेट हो गए। अब भी पायलट को सीएम बना दिया जाए सरकार रिपीट हो सकती है। अगर सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाया तो कांग्रेस के विधायक एक फॉर्च्यूनर में आ जाएंगे। उसमें बैठकर सारे विधायक सबसे पहले चार धाम की यात्रा करेंगे।

गुढ़ा का बयान सामने आने के बाद कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने उनका समर्थन किया है। गुढ़ा की ओर से दिए गए बयान वाले वीडियो को शेयर करते हुए दिव्या मदेरणा ने ट्वीट कर ब्यूरोक्रेसी पर निशाना साधा और लिखा, "नौकरशाही की कार्यशैली से ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस सरकार को एक फॉर्च्यूनर में बैठाने का कोई अखंड संकल्प ले चुकी है।"

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं होने और समानांतर बैठक के बाद तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस मिले थे। अब डेढ़ महीना गुजर जाने के बावजूद इन तीन नेताओं पर किसी तरह की कार्यवाही नहीं हुई है। ऐसे में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से बयानबाजी नहीं करने की हिदायत की सीमा अब फिर से टूटने लगी है और सचिन पायलट खेमे के नेताओं के बयान एक बार फिर खुलकर आने लगे हैं।

पहली बार एसएमएस अस्पताल में हुआ स्टेम सेल प्रत्यारोपण

11 साल की बहन के खून से लाल कोशिकाएं निकाल कर 7 साल के छोटे भाई के प्रत्यारोपित की गई

जयपुर,(कासं)। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में पहली बार स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया गया है। इस दौरान करीब छह घंटे चले ऑपरेशन में डॉक्टरों ने 11 साल की बच्ची के खून से लाल रक्त कोशिकाएं निकालकर उसके कैंसर पीड़ित 7 साल के छोटे भाई के प्रत्यारोपित की है। फिलहाल दोनों बच्चों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि अलवर जिले के आंधी निवासी सात वर्षीय नक्श ब्लड कैंसर बीमारी से ग्रस्त है। वह एसएमएस अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग में भर्ती है। मरीज को लाल रक्त कोशिकाएं बनना बंद हो गई थी। उसे एप्लास्टिक एनीमिया कहा जाता है।

इस स्थिति में मरीज को स्टेम सेल प्रत्यारोपण की जरुरत थी। इसके लिए उसकी 11 साल की बहन नेहा को तैयार किया गया। उसकी आवश्यक जांचे करवाई गई। इसके बाद बुधवार को ट्रोमा सेंटर में ट्रान्सफ्यूजन मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित शर्मा के निर्देशन में नेहा ने भाई के लिए रक्त कोशिकाओं का डोनेशन किया।

- **ट्रांसफ्यूजन की पूरी प्रक्रिया में करीब 6 घंटे का समय लगा**

मरीज की बहन के शरीर से पूरा खून निकालकर 200 पैरिफिरल ब्लड स्टेम सेल लिए गए। इसे छोटे भाई की बॉडी में ट्रांसफ्यूजन किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 6 घंटे का समय लगा। इस दौरान एसएमएस मेडिकल कॉलेज के इम्यूनो हेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट के डॉक्टरों की टीम लगातार मॉनिटरिंग करती रही। साथ ही इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ऑन्कोलॉजी और एनेस्थीसिया डिपार्टमेंट से भी डॉक्टर्स की टीम मौजूद रही। इसमें सबसे ज्यादा डर डोनर के लिए रहता है। डोनर के पूरे शरीर का ब्लड बाहर लेकर उसमें से जरूरी कॉम्पोनेंट्स को बाहर निकाला जाता है। फिर वापस ब्लड चढ़ाया जाता है। इस दौरान डोनर के बीपी, हार्ट फेलियर, अचानक कैलशियम की कमी होने समेत कई तरह के समस्या आने की आशंकाए रहती है। अब बच्चे और डोनर दोनों पर 4-5 दिन तक रेगुलर मॉनिटरिंग की जाएगी। दोनों को ऑन्कोलॉजी वार्ड में शिफ्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह ट्रांसप्लांट राज्य में किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं हुआ है। यह मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना के तहत पूरी तरह नि:शुल्क किया गया।

ऐसे मरीज का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 30 लाख रुपए तक का खर्च आता है। इस बीमारी में जो मरीज और डोनर होता है, उसे कुछ दिन ऐसी दवाईयां दी जाती हैं, जो बहुत महंगी होती है। डोनर को दी जाने वाली दवाईयों से उसके बोन मेरो सिस्टम की वर्किंग सिस्टम को बढ़ाया जाता है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर और डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि जिस बच्चे का आज स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया गया वह 8 महीने पहले बीमार हुआ था। जांच में पता चला कि उसे प्योर रेड सैल एप्लासिया नाम की बीमारी हुई है। इसमें मरीज के बोन मेरो सिस्टम में रेड ब्लड सैल बनना बंद हो जाता है। इससे मरीज को 4-5 दिन में खून की जरूरत पड़ने लगती है। ये बीमारी एक तरह से थेलेसीमिया जैसी ही होती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने जनता के साथ नंगे पांव चलकर किया पैदल मार्च

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों, पेयजल आपूर्ति, मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं से संबंधित, सफाई एवं रोड लाइट्स व फेज वायर संबंधित मांगों को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं आमेर विधायक डॉ. सतीश पूनिया ने स्थानीय जनता व कार्यकर्ताओं के साथ नंगे पांव पैदल मार्च किया।

डॉ. पूनिया कुण्डा तिराहे से आमेर तहसील तक लगभग तीन किलोमीटर जनता के साथ पैदल चलकर आमेर तहसील पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर टूटी सड़कों को बनाने और पेयजल आपूर्ति सहित विभिन्न मांगें पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि, अगर यह मांगें पूरी नहीं होती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पूनिया ने कहा कि आमेर शहर की प्रमुख सड़क जो तहसील कार्यालय से कुण्डा तक लगभग तीन किलोमीटर की है, वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर है। यहीं पर हैरिटेज साइट भी है, जिसके कारण देशी-विदेशी पर्यटकों का इस सड़क पर निरंतर आवागमन बना रहता है और स्थानीय लोगों को भी बड़ी परेशानी होती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बुधवार को आमेर की समस्याओं को लेकर पैदल मार्च किया।

पूनिया ने कहा कि निगम, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा उक्त सड़क के निर्माण हेतु कई बार वार्ता कर अवगत करवाया है, परंतु सड़क जर्जर हालात में है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा 2021-22 के अन्तर्गत नगर निगम हेरिटेज क्षेत्र की सड़कें तहसील ऑफिस से कुण्डा मोड तक बनवाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोषणा करने के बाद भी इस सड़क को बनाने के प्रति उदासीन हैं और मुख्यमंत्री आमेर के विकास कार्यों को लेकर निरंतर भेदभाव कर रहे हैं।

- **विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी आमेर शहर की टूटी सड़कों को बनवाने की मांग**

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन को 4 साल होने जा रहे हैं, लेकिन सरकार ना तो पानी दे रही है, ना सड़कें बना रही है और पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति सबके सामने है, मैंने विधायक कोष से आमेर शहर में कैमरे लगवाने के लिए पैसे दिए, लेकिन वह कैमरे भी अभी तक नहीं लगाए हैं।

पैदल मार्च में जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, हरदेव यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भगवान शर्मा, मण्डल अध्यक्ष दौलत सिंह शेखावत सहित स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिवों को जिलों में भेजा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में ब्यूरोक्रेसी को लेकर मंत्री-विधायकों की ओर से हमलावर रुख लगातार जारी है। पिछले 6 महीने में अधिकारियों को लेकर कांग्रेस के कई विधायकों ने तीखी बयानबाजी की है कि अधिकारी सुनते नहीं हैं। वहीं वहीं मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और राजेंद्र गुढ़ा ने आईएएस अधिकारियों की एसीआर भरने की मांग भी उठाई है। तमाम बयानबाजी के बीच अब राजस्थान सरकार के सचिवों को जिलों का प्रभारी लगाकर उन्हें 3 दिन तक जिलों में भेज दिया गया है। 3 दिन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन सचिवों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर जिलों का फीडबैक लेंगे। खास बात यह है कि सचिवों को विशेष रूप से कहा गया है कि जिलों में जाने की औपचारिकता नहीं निभाएं, बल्कि विधायक या अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करें और सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की क्या स्थिति है, उसके बारे में भी पूरी जानकारी करें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे पर जाने से पहले प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी सचिवो को जिलों में रवाना होने के आदेश दिए थे। ऐसे में सभी प्रभारी सचिव बुधवार शाम को जिलों के लिए रवाना हो गए।

'कांग्रेस कार्यकर्ता के भरोसे सत्ता में आती है, मंत्री-विधायकों के भरोसे हार जाती है'

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव तथा युवक कांग्रेस के पूर्व महासचिव रहे नवीन यादव ने कांग्रेस सरकार बनाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका रहने तथा बाद में मंत्री-विधायकों के रवैये के कारण पार्टी की हार को लेकर निशाना साधा है।

- **प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव तथा युवक कांग्रेस के पूर्व महासचिव ने साधा निशाना**
- **'कांग्रेस में सिटिंग गैटिंग फार्मूले से सभी को फिर टिकट बिना आंकलन के दे दिया जाता है'**

नवीन यादव का कहना है कि राजस्थान में कांग्रेस जब विपक्ष में रहती है, तो कांग्रेस कार्यकर्ता सम्पूर्ण क्षमता से राजस्थान की जनता से जुड़ाव रखकर कार्य करता है। चुनावों में कांग्रेस को बहुमत दिलाने के लिए दिन-रात मेहनत कर कामयाब होता है। इस दौरान विधानसभा चुनाव में पहले तो टिकट बंटवारों में और फिर सत्ता आने पर मुख्यमंत्री से मिलकर विधायक, मंत्री कार्यकताओं को हाशिए पर पटक देते हैं।

यादव ने कहा कि वर्ष 1998 से यही सिलसिला चलता आ रहा है। इस नई परम्परा से कार्यकर्ताओं में निराशा का भाव पैदा होता जा रहा है। इसके बाद पार्टी सत्ता में रहते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नहीं बल्कि नेताओं, विधायक, मंत्री के भरोसे चुनाव में जाती है और वहाँ कांग्रेस फिर चुनाव हार जाती है। कांग्रेस के लगभग 80 प्रतिशत मंत्री व विधायक चुनाव हार जाते है, क्योंकि कांग्रेस द्वारा सिटिंग गैटिंग का फार्मूला लाकर सभी को पुन: टिकट बिना आंकलन के दे दिया जाता है।